552039

कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या.....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☐

विषय संस्कृत साहित्य

परीक्षा का दिन 06/03/2024 बुधवार

दिनांक 06/03/2024

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	9	19	5
2	7	20	5
3	12½	21	
4	2	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	3	30	
13	2	31	
14	1	योग	79½
15	5	प्राप्त अंको का कुल योग (Round off)	
16	5	अंकों में	शब्दों में
17	5	80	अस्सी
18	4		

परीक्षक के हस्ताक्षर ..... संकेतांक 30963

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 177/2024

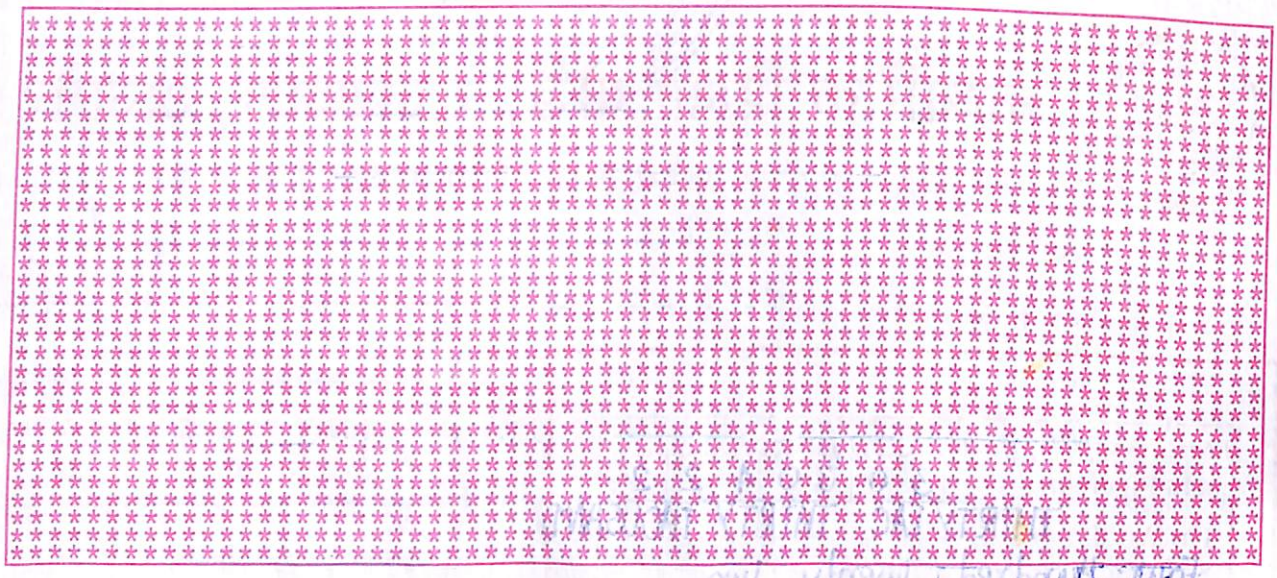

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी :–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	①	
	i)	(अ) आत्मनः कृते
	ii)	(ब) कौत्सः
	iii)	(द) श्रीमद्भगवद्गीतातः
	iv)	(स) सन्ति
	v)	(अ) अष्टौ
	vi)	(ब) रगणः
	vii)	(द) रूपके
	viii)	(स) आढ्य
9	ix)	(ब) जश्त्वम् (झलां जशोऽन्ते)
	②	
	i)	महाराजम् प्रति कः क्षत्रियः।
	ii)	विक्रमस्य तुल्यम् औदार्यम् आस्ति।
	iii)	सीता रामेण सह वनम् अगच्छत्।
	iv)	कृष्णं परितः गोपालकाः सन्ति।

1+1+1+1+1+1+1+1+0 = 9

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	v)	राजा सिंहासने समुपवेष्टुम् गच्छति
	vi)	सः वारिवाहानाम् अभ्यन्तरं प्रविष्टः।
7	vii)	गौरी शिवालयं गच्छति।
	(7) i)	(क) 'कुर्वन्नेवेह कर्माणि इति मन्त्रांशः ईशावास्योपनिषद्‌ः।
	ii)	उपमा अलङ्कारस्य प्रयोगे कालिदासः प्रसिद्धः।
	iii)	'उत्तररामचरितम्' इति नाटकस्य कथावस्तु रामायणः गृहीतम् उत्तरकाण्डम् गृहीतम् उत्तर रामचरित
	iv)	कादम्बरी बाणभट्ट लिखिता।
	v)	महाकवेः भर्तृहरेः त्रय(3) शतकानि।
	vi)	'शिवराजविजय' इति ऐतिहासिक उपन्यासःआस्ति। 'अम्बिकादत्त' द्वारा रचितः
	vii)	यत्ताविलास - महाकाव्यं 'नवलकिशोर शास्त्री कांकर' रचितम्।
	viii)	मानवंश महाकाव्यंश्रीसूर्यनारायण' लिखितम्।
	ix)	'वैदिककोषः' इति ग्रन्थं मधुसूदन ओझा रचितवान्।
	x)	'आदर्शरमणी' इति उपन्यासः 'विद्याधर शास्त्री' रचितः।

1+1+1+1+1+1+1+1+1+1/2 = 9½

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ख)

i) दैत्यारिः ⇒ दैत्य + अरिः सूत्र ⇒ अकः सवर्णे दीर्घः

ii) कर्मणैव ⇒ कर्मणा + एव सूत्र ⇒ वृद्धिरेचि

iii) जनर्थेद्धसानम ⇒ जनर्थेत + अस्नानम सूत्र ⇒ झलां जशोऽन्ते

1+1+1 = 3

9½ + 3 = 12½

④ वंशस्थ

जतौ तु वंशस्थमुदीरितं जरौ (लक्षण)

उदाहरणं ⇒ भवन्ति नम्रास्तरवः फलोद्गमैः
नवाम्बुभिर्दूर विलम्बिनो घनाः
अनुद्धता सत्पुरुषा समृद्धिभि
स्वभाव एवैष परोपकारिणाम

2

जगण, तगण, जगण, रगण
ISI SSI ISI SIS

⑤ त्वमेव माता च पिता त्वमेव"
ISI SS I IS ISS

उपेन्द्रवज्रा जतजास्ततो गौ।

2

जगण, तगण, जगण, गुरु, गुरु
ISI SSI ISI S S
ISI

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	6	यमकम्
		सत्यर्थे पृथगर्थाया स्वरव्यजनसंहते
		क्रमेण तनैवावृत्ति यमक विनिगद्यते
2		उदा ⇒ अस्ति यद्यपि सर्वत्र नीरं नीरज शजितम्
		रमते न मरालस्य मानसं मानसं विना
	7	तावत् कोकिल विरसान् यापय दिवसान् वनान्तरे निवसन्
		यावन्मिलदलिमाल: कोऽपि रसाल: समुल्लसति ।
		अन्योक्ति अलंकार
2		लक्षण ⇒ असमानविशेषणमपि यत्र समानेतिवृत्तम उपमेयं
		उक्तेन गम्यते परमोपमान नेनेति साअन्योक्ति
	8	विपदि धैर्यम अथा अभ्युदये क्षमा सदसि वाक्पटुता
		युधि विक्रम: यशसि च अभिरुचि ~~च~~ व्यसनं
2		श्रुतौ व्यसनं इदं हि महात्मनाम प्रकृतिसिद्धम इदं
	9	(क) जवीय: ⇒ तीव्र वेग वाला
		(ख) कोषजातम् ⇒ खजाना
		(ग) असक्त ⇒ अनासक्त होकर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(घ) मूर्धजाः → केश (बाल)

½+½+½+½ = 2

(10) हिन्दीभाषयां ससन्दर्भ भावार्थ

'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन'

सप्रसङ्ग → प्रस्तुत पंक्ति हमारी पाठ्यपुस्तक संस्कृत साहित्य शाश्वत के चतुर्थ अध्याय (कर्मगौरवम्) श्रीमद्भगवतगीता से लीया गया है इसमें श्रीकृष्ण अर्जुन को उपदेश देते है कि -

भावार्थ → श्रीकृष्ण अर्जुन को उपदेश देते हुए कहते है कि कर्म करने में तुम्हारा अधिकार है फल प्राप्त करने में तेरा कार्य कर्म का फल कभी न हो और न हि अकर्म के प्रति कभी लगाव। कर्म का फल तेरी इच्छा न हो व अकर्म के प्रति कभी भी लोलुप न हो कर्म करते रहो फल की चिन्ता मत करो यह श्रीकृष्ण अर्जुन को उपदेश देते है।
→ इसकी भाषा श्रेष्ठ व शिक्षाप्रद है।

2

(11) (i)
(क) विश्वनाथदत्तः

(ख) ~~मलकस्य~~ आध्यात्मिकता

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ग) शिवस्य

(घ) नरेन्द्रनाथ दत्तः

½+½+½+½ = 2

12) पूर्णवाक्येन

(क) विवेकानन्दस्य जन्म 1863 तमे खिस्ताब्दे जनवरीमासस्य द्वादशदिनाङ्के मकरसङ्क्रान्तिपर्वणः अवसरे गंगातटे कोलकाता नगरे एकस्मिन् सम्पन्ने परिवारे अभवत्।

(ख) स्वामिविवेकानन्दस्य मातुर्नाम भुवनेश्वरी देवी।

(ग) स्वामिविवेकानन्दस्य यस्य पितामहः दुर्गाचरणः आसी

1+1+1 = 3

13) भाषा - सम्बद्धं कार्यम्

(क) पिता → कर्तृपदं

(ख) धर्मपरायणी → विशेषणं

(ग) स्वामिविवेकानन्दस्य → सम्बन्धपदं

(घ) चंचलः

½+½+½+½ = 2

14) समुचितं शीर्षकं → स्वामिविवेकानन्द जीवनस्य

1

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(15)	
		i)
		(क) भास्करः अस्तं जिगमिषुः
		(ख) कलविङ्काश्चाटकैः
		(ग) वनानि प्रतिक्षणमधिकाधिकां श्यामतां कलयन्ति।
1+1+1=3		
		ii)
		(क) (ब) आस्ति
		(ख) (द) भास्करः
1+1=2		
3+2=5		
	(16)	
		i)
		(क) विद्यालः
		(ख) सर्वविदां
		(ग) अज्ञतायाः छादनम् एकान्ततः मौनम्।
1+1+1=3		

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		ii)
		(क) (स) विनिर्मितम्
		(ख) (अ) अपण्डितानाम्
		1+1=2
		3+2≠5
	17)	(क) योगाङ्गानां
		(ख) पञ्च (5)
		(ग) वीर्यलाभः ब्रह्मचर्यप्रतिष्ठायां भवति।
		1+1+1=3 ब्रह्मचर्यप्रतिष्ठायां वीर्यलाभः।
		ii)
		(क) (द) महती
		(ख) (स) जातानि
		1+1=2
		3+2≠5
	18)	(क) कः ⇒ 'उत्तररामचरितम्' इति नाटकस्य रचयिता कः?
		(ख) कम् ⇒ लवः कम् अनुसरति?

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ग) कीदृशः → स कीदृशः दृश्यते ?

(ख)

1+1+1+1 (ङ) केन → श्रीनायारस्य केन सह कश्चित् सम्पर्कः नास्ति ?

(5)

(च)

19) (क) विद्यया अमृतम् अश्नुते ।

(ख) हिमांगी शिवस्य अर्चनाम् करोति ।

(ग) कुमुदः जलेन मुखम् प्रक्षालयति ।

(घ) कविषु कालिदास श्रेष्ठः ।

(ङ) तिलेषु तैलम् आस्ति ।

1+1+1+1+1 = 5

20) सतां सङ्गतिः (सत्सङ्गतिः)

सतां सज्जनता सङ्गति सत्सङ्गति कथ्यते ।
सत्सङ्गति मनः पवित्र भवति ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सत्सङ्गति यशः सुख , कीर्ति प्राप्नोति।
सता आचरण सत्सङ्गति कथ्यते।
सत्सङ्गति कीर्ति वर्धयते।
सत्सङ्गति सर्वत्र आदर लभ्यते।

सतां सज्जनानां वा सङ्गति : सत्सङ्गति कथ्यते। सत्सङ्गते मानवजीवने अतिमहत्वं वर्तते। सत्सङ्गत्या मानवः सर्वत्र यशः सुखं च प्राप्नोति, तस्य विद्या कीर्तिश्च वर्द्धते। तस्य बुद्धिः निपुणाः भवति। मनः पवित्र जायते। मानवः यादृशैः जनैः सङ्गति करोति सः तादृशः एव भवति। सज्जनैः सह सम्पर्केण जनः सज्जनः तथा मूर्खैः सह सङ्गत्या मूर्खः जायते। सज्जनानां सङ्गत्या मानवः सर्वत्र पूज्यः भवति तथा आदर विद्याकीर्तिश्च लभते। कुसंगत्या मानवस्य पतनं विनाशं च भवति। सत्सङ्गत्या मानवः श्रेष्ठ फलं प्राप्नोति। सः प्रवीणतां याति उन्नतिं च प्राप्नोति। तस्य विचारधारा पवित्रा जायते तथा सः गुणयुक्तः भवति। सत्संगत्या मानवस्य दोषनिवारणोऽपि भवति। सन्तः सत्सङ्गते महिमानं वर्णयन्ति। अतः सर्व विद्य. विकासाय सत्सङ्गते करणीय।

5

समाप्त

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

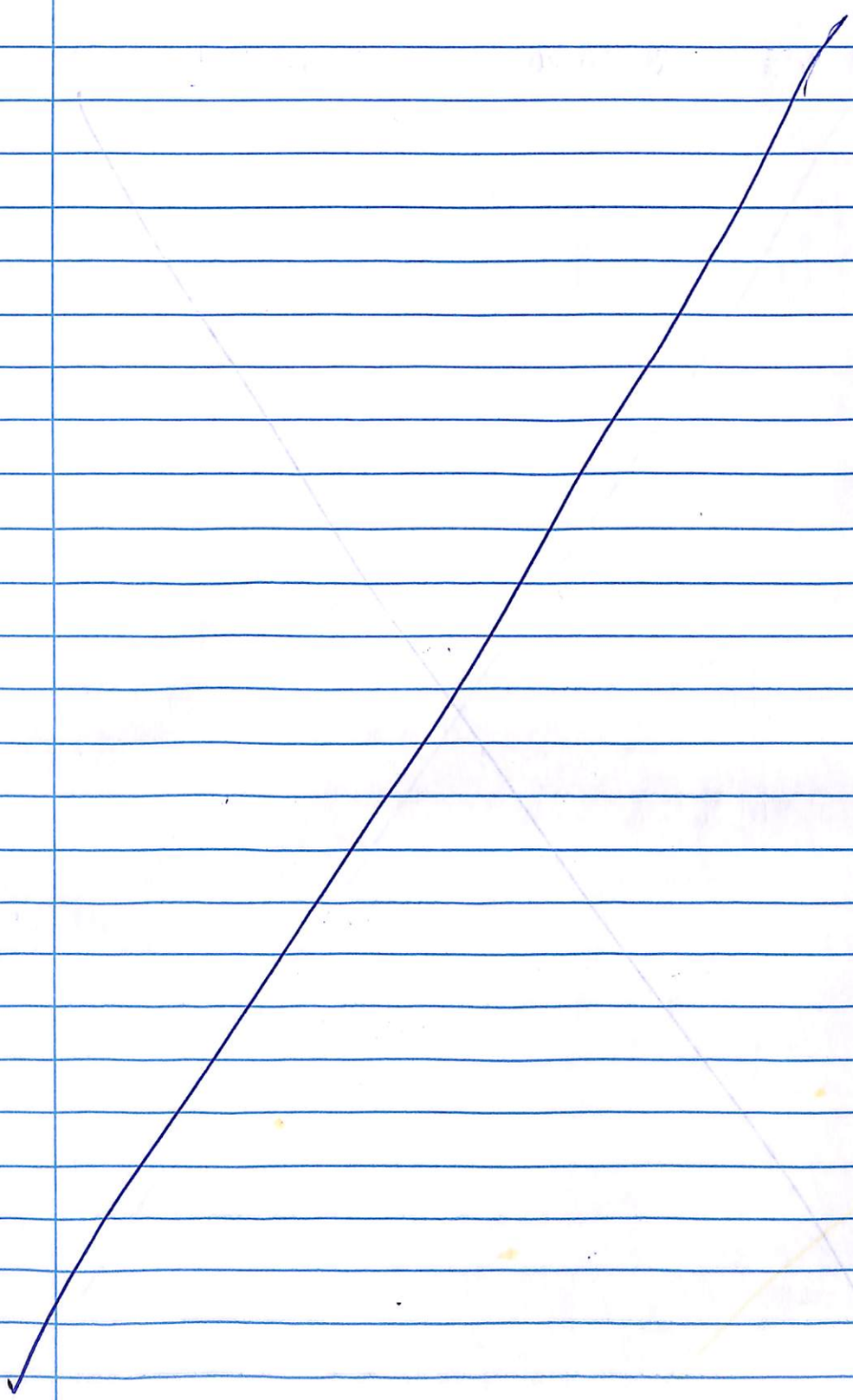

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

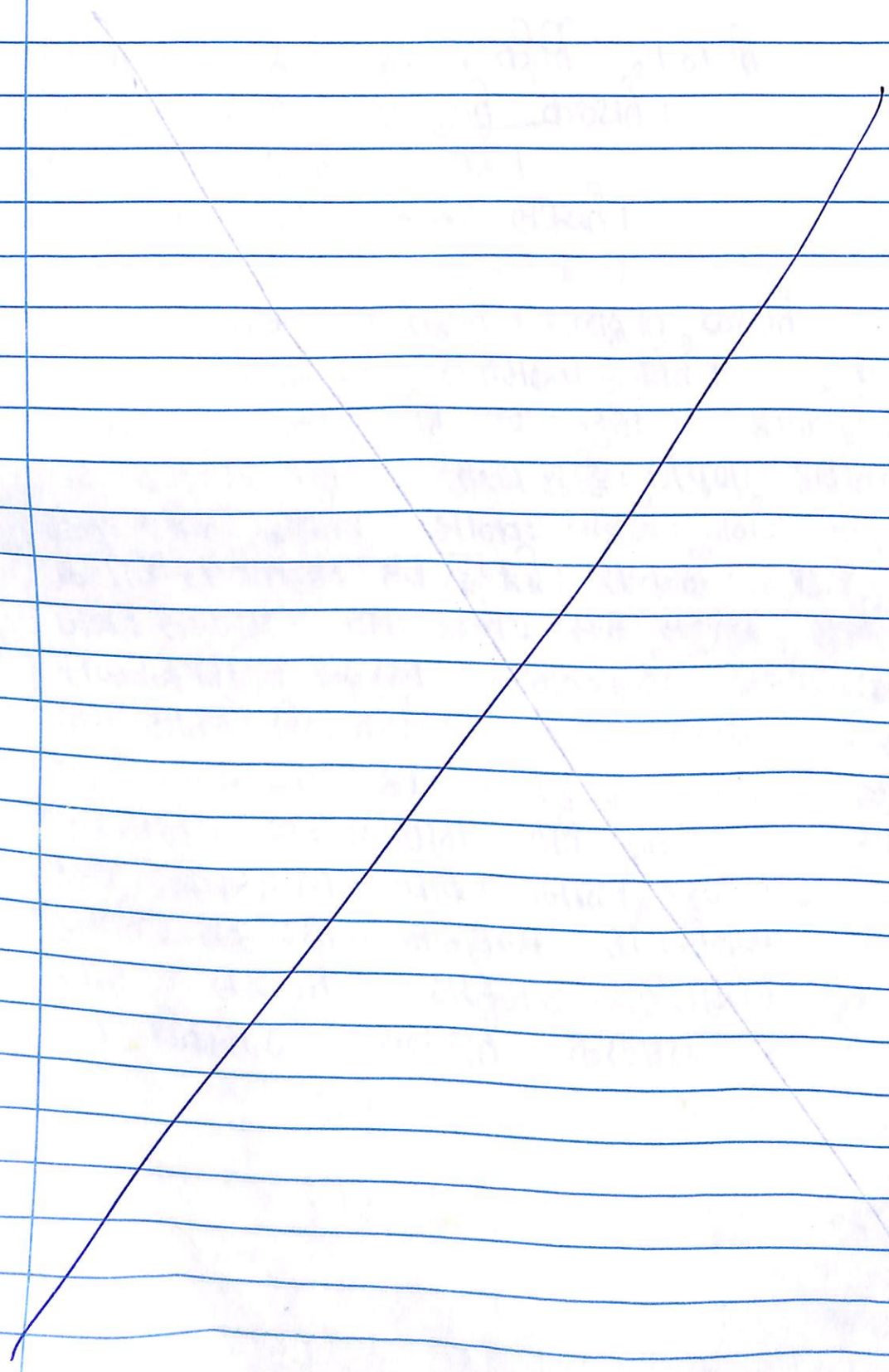

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

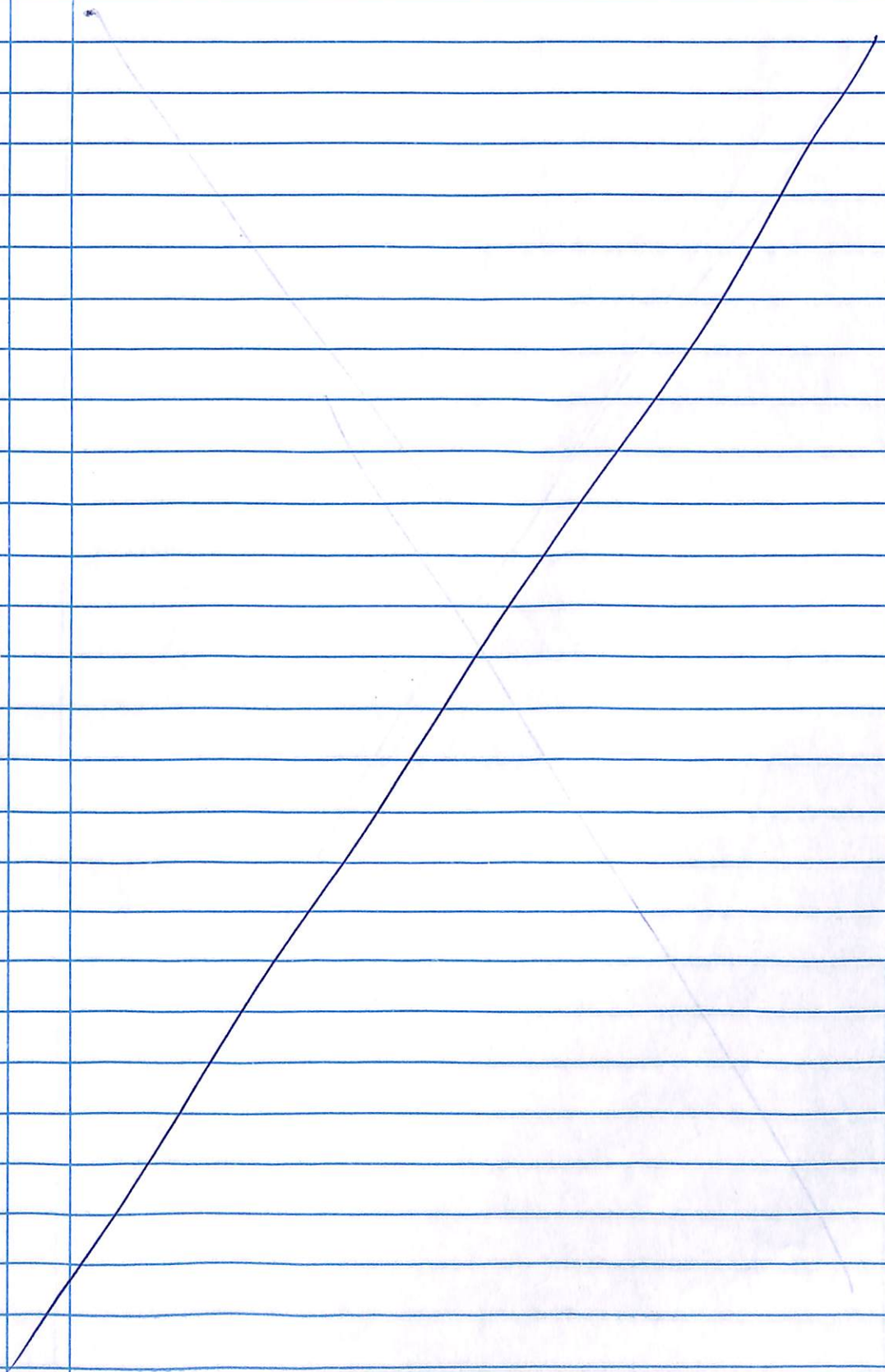

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

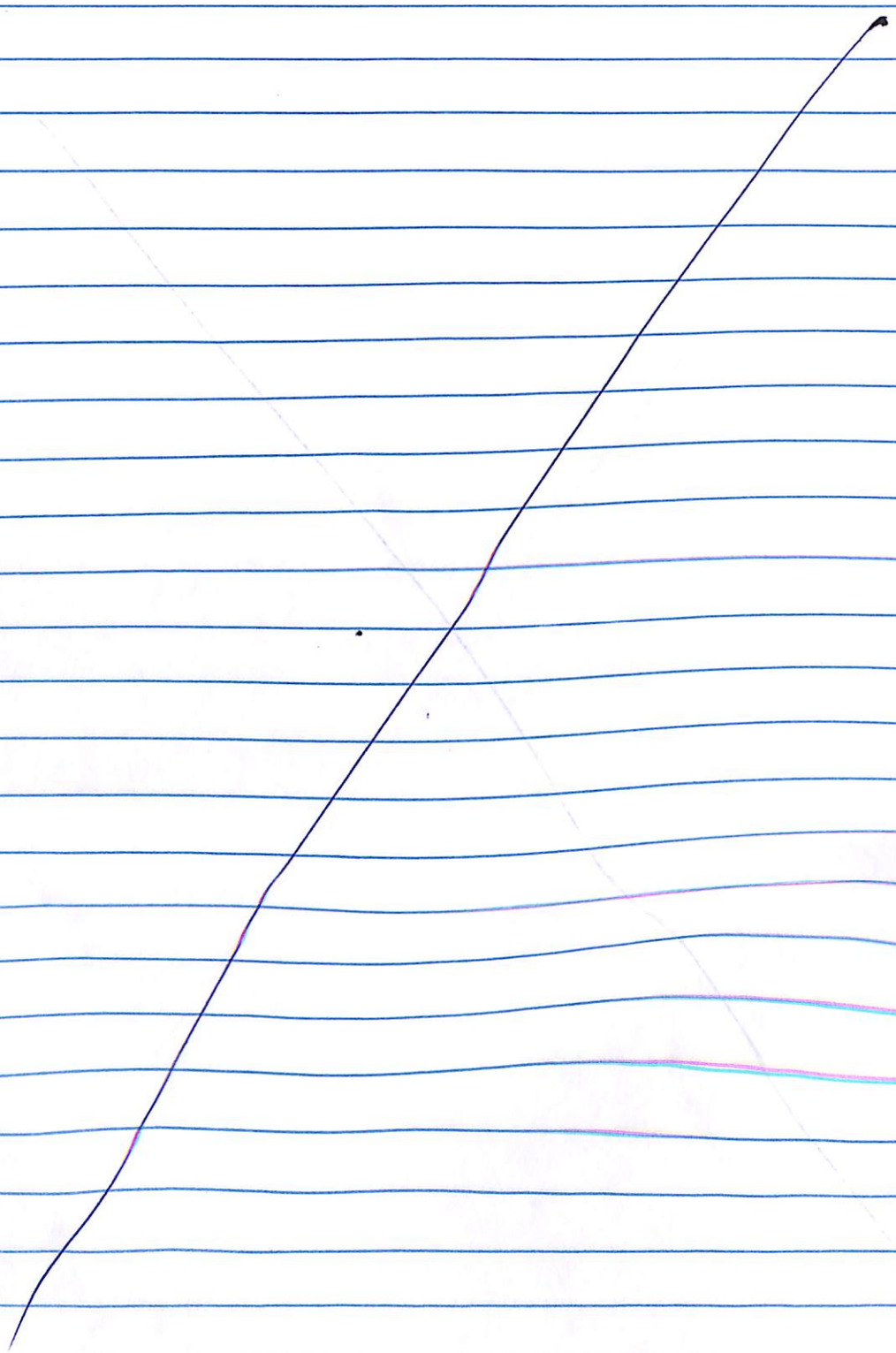

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

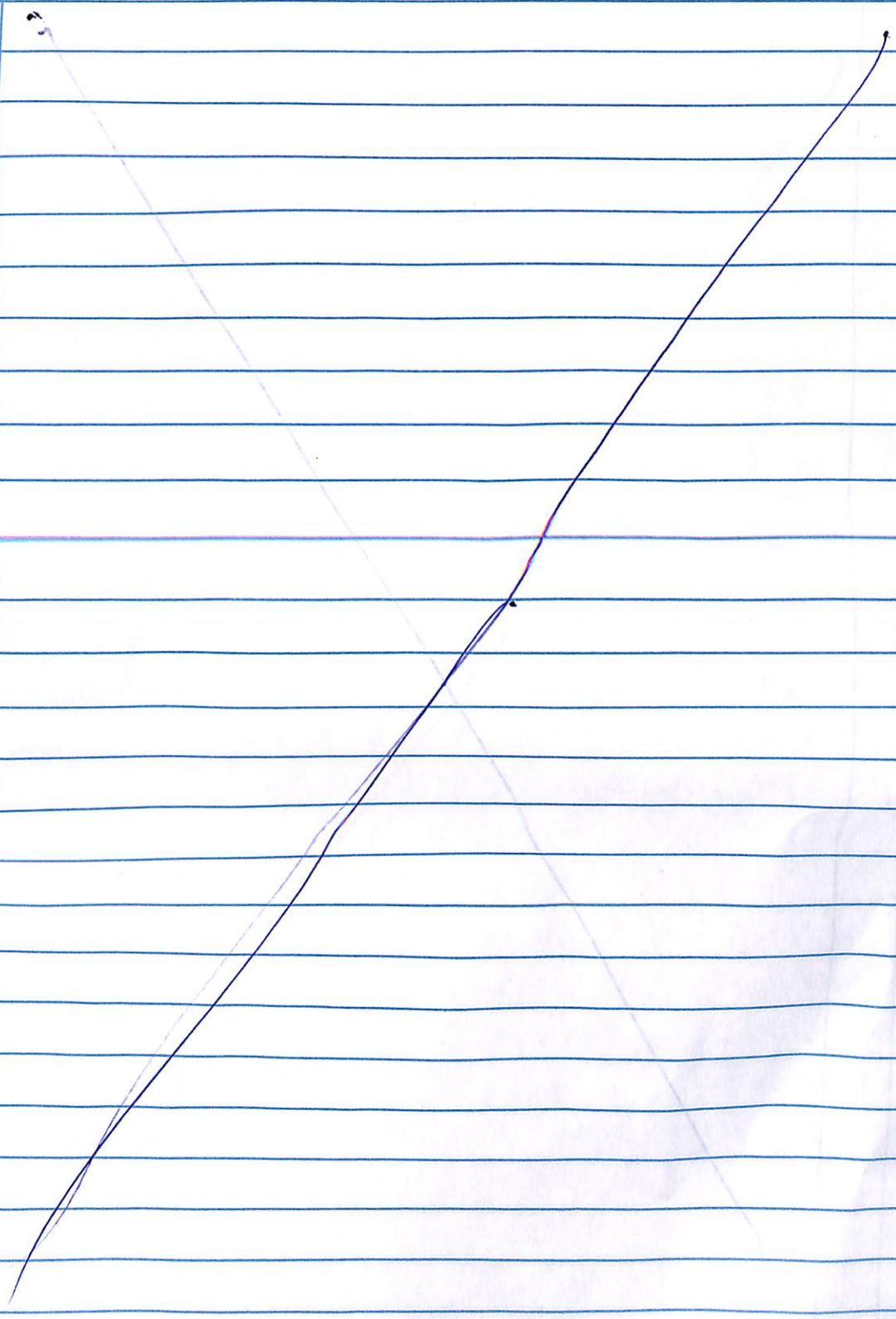

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

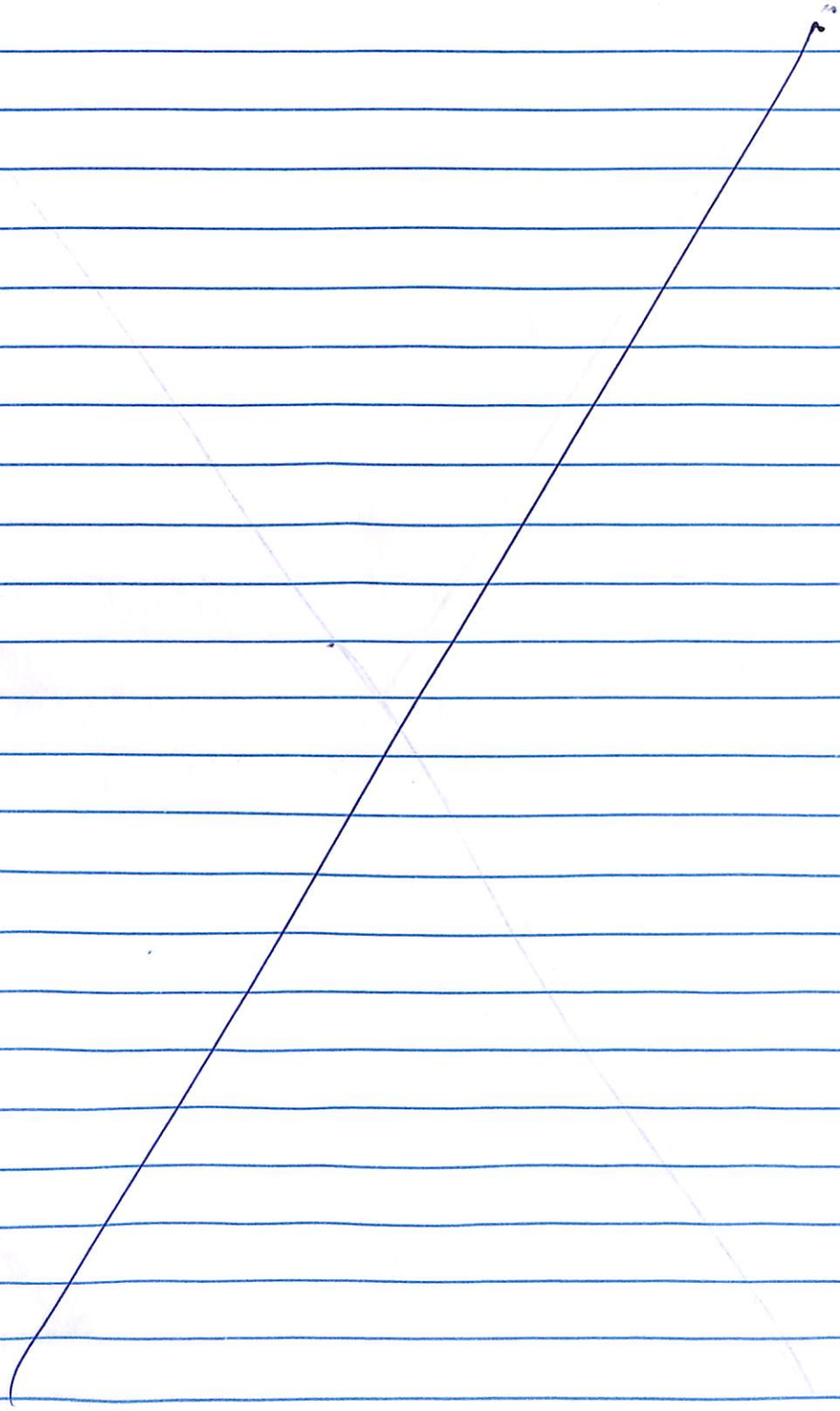

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

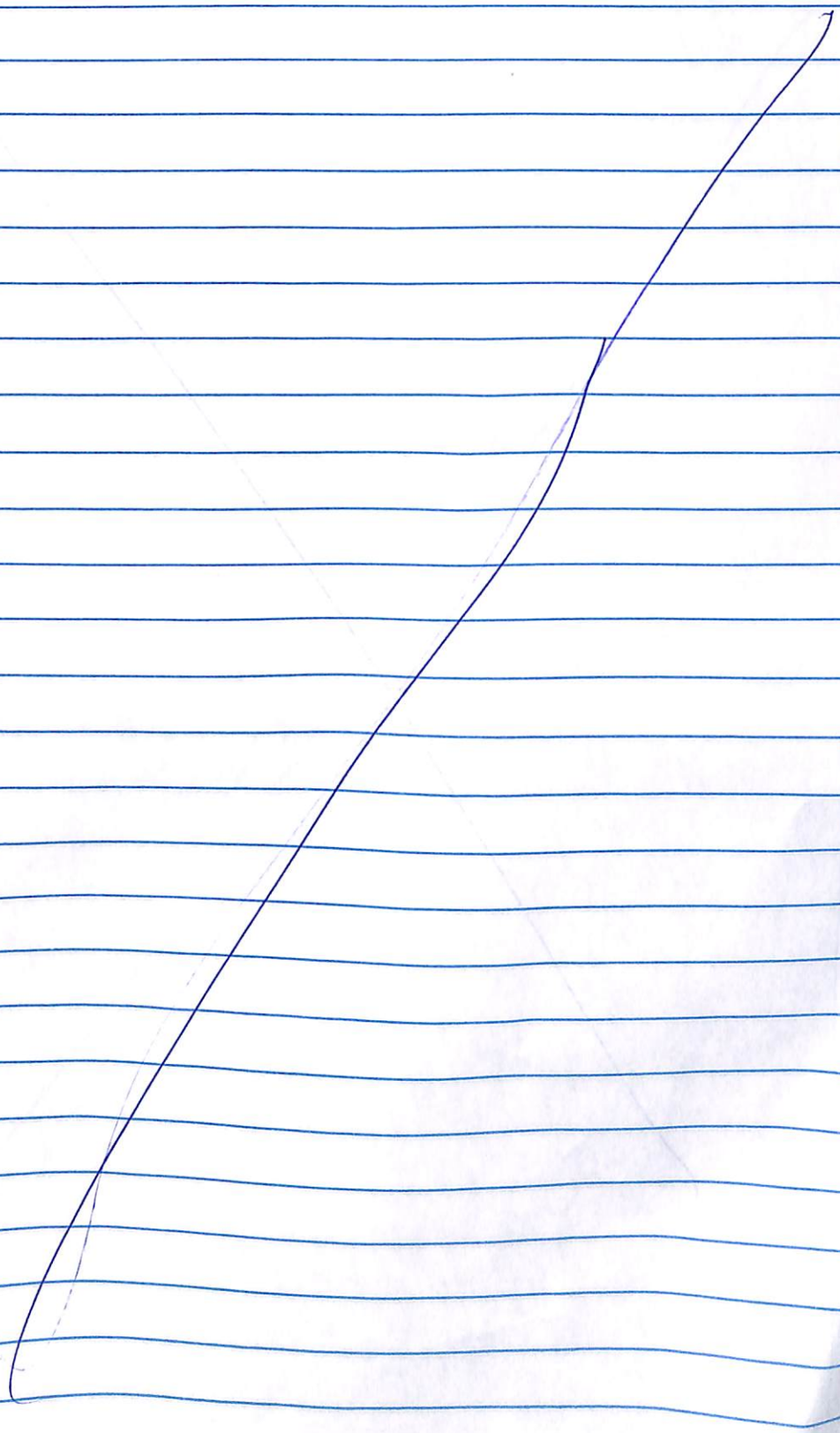

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-17 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-17-2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

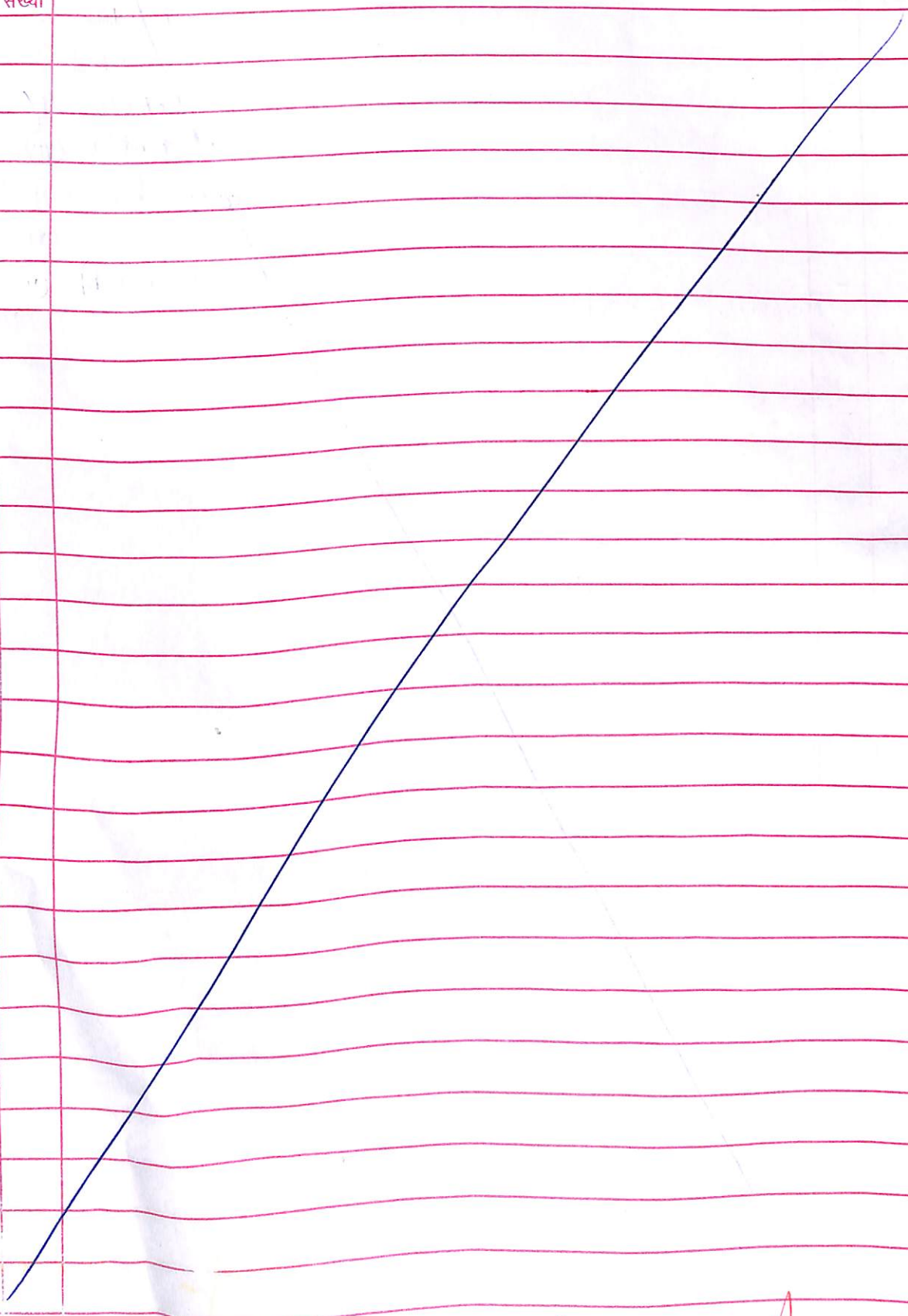

BSER-177/2024

78½ = अठहत्तर